bharatkhand

न्यूज़लेटर

भरतखंड

उत्पादक कंपनी लिमिटेड कंसोर्टियम

जुलाई 2026

सहयोगी संस्था

Solidaridad

संपादकीय संदेश

प्रिय पाठकों,

भरतखंड कंसोर्टियम न्यूज़लेटर के एक और अंक में आपका हार्दिक स्वागत है।

यह अंक किसानों को सशक्त बनाने, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को मजबूत करने तथा पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा देने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचायक है।

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ–तिलहन) के अंतर्गत एक वैल्यू चेन पार्टनर के रूप में भरतखंड ने मध्य प्रदेश के हजारों किसानों तक प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीजों का सफलतापूर्वक वितरण सुनिश्चित किया है। इससे किसानों को उन्नत किस्मों को अपनाने और बेहतर उत्पादकता की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

इस अंक में एफपीओ आधारित नवाचारों की प्रेरणादायक कहानियाँ भी शामिल हैं। सिद्धपुर एफपीओ द्वारा पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा बाजार से मजबूत जुड़ाव स्थापित करने के प्रयास हों या तिलकेश्वर एफपीओ द्वारा स्थापित आत्मनिर्भर कस्टम हायरिंग सेंटर, यह उदाहरण दर्शाते हैं कि सामुदायिक कृषि सेवाएँ न केवल किसानों की आय बढ़ा सकती हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

कृषि क्षेत्र के भावी नेतृत्व का निर्माण भी हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से प्रारंभ किया गया भरतखंड इंटर्नशिप कार्यक्रम विद्यार्थियों को पुनर्योजी कृषि, कृषि व्यवसाय (एग्रीबिजनेस), खाद्य प्रणालियों तथा ग्रामीण उद्यमिता का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा, जिससे वे भारत के विकसित होते कृषि परिदृश्य में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हो सकें।

हमें यह साझा करते हुए भी प्रसन्नता है कि भरतखंड की राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति लगातार सशक्त हो रही है। आईसीएआर-आईआईएसएस, विदिशा के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के शिलान्यास समारोह में हमारी सक्रिय भागीदारी के दौरान पुनर्योजी कृषि से जुड़ी पहलें तथा एफपीओ द्वारा निर्मित उत्पादों को नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों एवं किसानों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

हम अपने सभी किसान सदस्यों, किसान उत्पादक संगठनों, साझेदार संस्थाओं, सरकारी विभागों तथा सभी हितधारकों के प्रति उनके निरंतर विश्वास, सहयोग और सहभागिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

सुखद एवं ज्ञानवर्धक पठन की शुभकामनाएँ!

डॉ. सुरेश मोटवानी
महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

NMEO – तिलहन मिशन के अंतर्गत वैल्यू चेन पार्टनर के रूप में भरतखंड

बीज वितरण

देवास, धार, बड़वानी और रतलाम – चार जिलों में बीज वितरण सफलतापूर्वक पूर्ण।

कृषि-मैपर पर पंजीकृत किसान **3,066** **पूरी तरह बीज वितरण वाले जिले**	**4** **वितरित बीज**	**814.3 क्विंटल** **फसलें**	**2 (सोयाबीन एवं मूंगफली)**

जिला-वार प्रगति
जिला स्थिति

देवास	**1,761 किसानों को JS-21-72 एवं RVSM-1135 सोयाबीन बीज, 3 विकासखंडों में वितरित।**
धार	**501 किसान, सरदारपुर विकासखंड में 375 क्विंटल RVSM-1135 वितरित; अधिकांश लाभार्थी अनुसूचित जनजाति (ST) परिवार।**
बड़वानी	**269 किसान, ठीकरी विकासखंड में सोयाबीन (37.5 क्विंटल) एवं मूंगफली (50 क्विंटल) बीज वितरण।**
रतलाम	**535 किसानों को GJ-37 मूंगफली बीज (279.8 क्विंटल) वितरित; लागत अधिक होने के कारण सोयाबीन वितरण नहीं किया गया।**

अगले माह की कार्ययोजना
प्रमुख गतिविधियाँ

- चयनित किसानों के साथ डेमो प्लॉट स्थापित करना।
- उन्नत कृषि तकनीकों पर किसान प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।
- डेमो किसानों से खेती लागत एवं उत्पादन वृद्धिसंबंधी आंकड़े एकत्र करना।

प्रभाव की कहानी
प्रमाणित बीज, भरोसेमंद फसल

राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (NMEO) की लाभार्थी सुगरी बाई को उनके एक एकड़ खेत के लिए 75 किलोग्राम प्रमाणित सोयाबीन बीज (RVSM-201135) नि:शुल्क प्रदान किया गया। यह बीज माही कॉटन एफपीओ के माध्यम से वितरित किया गया, जो भरतखंड कंसोर्टियम का सदस्य है।

पहले सुगरी बाई खुले बाजार से बीज खरीदती थीं या अपनी फसल से बचाए गए बीज का उपयोग करती थीं। उचित भंडारण और बीज उपचार की जानकारी न होने के कारण अंकुरण अक्सर कमजोर रहता था, जिससे हर मौसम में उनकी उपज और आय दोनों जोखिम में रहती थीं।

इस वर्ष बाजार में बीज की कीमत रू. 10,000–12,000 प्रति क्विंटल तक पहुंच गई। ऐसे समय में यह कार्यक्रम उनके लिए बड़ी राहत साबित हुआ। उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज मिलने से उन्हें न केवल आर्थिक बोझ से राहत मिली, बल्कि खराब अंकुरण की चिंता भी समाप्त हो गई।

“अब मुझे यह चिंता नहीं रहती कि मेरे बीज उगेंगे या नहीं।” - सुगरी बाई

सुगरी बाई की कहानी क्षेत्र के हजारों छोटे किसानों की कहानी है, जिनके लिए सस्ती और भरोसेमंद बीज उपलब्धता केवल सुविधा नहीं, बल्कि आजीविका की सुरक्षा है।

हमारे एफपीओ से मिलिए

सिद्धपुर किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड
राजूखेड़ी क्लस्टर, जिला सीहोर, मध्य प्रदेश

स्थापना: 6 फरवरी 2019

सॉलिडरीडाड एवं भरतखंड कंसोर्टियम के सहयोग से स्थापित सिद्धपुर किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड छोटे एवं सीमांत किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों, बेहतर बाजार अवसरों तथा पुनर्योजी (रेजेनरेटिव) कृषि समाधान उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बना रही है।
आज यह एफपीओ सीहोर जिले के राजूखेड़ी क्लस्टर में 500 अंशधारक किसानों की एक विश्वसनीय किसान संस्था के रूप में कार्य कर रहा है।

एक नज़र में

- **पंजीकरण:** 6 फरवरी 2019
- **कार्य क्षेत्र:** राजूखेड़ी क्लस्टर, जिला सीहोर, मध्य प्रदेश
- **अंशधारक किसान:** 500
- **प्रवर्तक:** सॉलिडरीडाड एवं भरतखंड कंसोर्टियम

एफपीओ की प्रमुख सेवाएँ
सिद्धपुर किसान प्रोड्यूसर कंपनी किसानों को निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान करती है:

- गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं फसल सुरक्षा उत्पादों की उपलब्धता
- पशु आहार का व्यवसाय
- मृदा स्वास्थ्य सुधार हेतु बायोचार का उत्पादन
- किफायती ड्रोन आधारित फसल छिड़काव सेवाएँ
- कृषि उपज की खरीद एवं बेहतर बाजार से जोड़ने में सहयोग

मजबूत बाजार संपर्क

एफपीओ ने किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए कई अग्रणी कृषि कंपनियों के साथ साझेदारी विकसित की है। संस्था ने मार्श (Marsh) के लिए 80 मीट्रिक टन गेहूँ की सफल खरीद की है तथा AWL के साथ जैविक गेहूँ की खरीद प्रक्रिया को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा विप्पी (Vippy) एवं ब्रिटानिया (Britannia) के साथ मिलकर पुनर्योजी कृषि को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पुनर्योजी कृषि की दिशा में अग्रणी

सिद्धपुर एफपीओ जलवायु-अनुकूल एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए अनेक पहल कर रहा है :-

- 150 वर्मी कम्पोस्ट प्रदर्शन इकाइयाँ
- खरीफ एवं रबी मौसम में 60 उन्नत बीज प्रदर्शन
- मृदा कार्बन एवं उर्वरता बढ़ाने के लिए बायोचार उत्पादन
- ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (AWS) आधारित मौसम सलाह, जिससे लगभग 5,000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं
- ड्रोन आधारित सेवाएँ, जिससे श्रम लागत कम होती है तथा कृषि आदानों का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित होता है

प्रमुख उपलब्धियाँ

- 500 अंशधारक किसानों का सशक्त किसान संगठन
- वित्तीय वर्ष 2024–25 में लगभग रू. 30 लाख का वार्षिक कारोबार
- संस्थागत खरीद के माध्यम से 80 मीट्रिक टन गेहूँ की आपूर्ति
- लगभग 5,000 किसानों तक वास्तविक समय की मौसम सलाह
- बीज, उर्वरक एवं कीटनाशकों के व्यापार हेतु सभी आवश्यक लाइसेंस प्राप्त

आगे की दिशा

एफपीओ भविष्य में अपने व्यवसाय एवं किसान सेवाओं का विस्तार करने के लिए निम्नलिखित लक्ष्यों पर कार्य कर रहा है :-

- ✓ बीज उत्पादन गतिविधियों की शुरुआत
- ✓ सफाई, ग्रेडिंग एवं सॉर्टिंग सुविधाओं की स्थापना
- ✓ कृषि उपज खरीद का विस्तार करने हेतु मंडी लाइसेंस प्राप्त करना
- ✓ एनएससी (NSC) एवं इफको (IFFCO) के साथ नई साझेदारियाँ विकसित करना
- ✓ क्षेत्र में पुनर्योजी कृषि एवं जैविक बाजार संपर्क का विस्तार करना

इंटर्नशिप कार्यक्रम

भरतखंड द्वारा पुनर्योजी कृषि, कृषि व्यवसाय एवं खाद्य प्रणाली पर एक माह का इंटर्नशिप कार्यक्रम का प्रारंभ

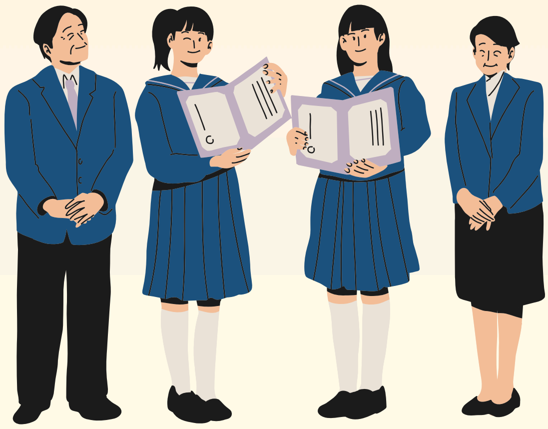

कृषि क्षेत्र के भावी पेशेवरों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से भरतखंड कंसोर्टियम ने सॉलिडरीडाड के सहयोग से भरतखंड इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह एक माह का अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य कक्षा में प्राप्त ज्ञान और वास्तविक कृषि क्षेत्र के अनुभव के बीच की दूरी को कम करना है। यह कार्यक्रम कृषि, खाद्य विज्ञान, एग्रीबिजनेस, सामाजिक कार्य तथा अन्य संबद्ध विषयों के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है।

यह इंटर्नशिप कक्षा आधारित प्रशिक्षण, फील्ड विजिट, व्यावहारिक असाइनमेंट, उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद तथा परियोजना-आधारित सीखने का समन्वित अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को पुनर्योजी कृषि, जलवायु-स्मार्ट खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, किसान उत्पादक संगठन (FPO), खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण उद्यमिता, ब्रांडिंग, वैल्यू चेन विकास तथा सतत कृषि व्यवसाय मॉडलों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

23–24 कार्य दिवसों के दौरान प्रतिभागी विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में पुनर्योजी कृषि मॉडल फार्म, बायो-रिसोर्स सेंटर, सफल एफपीओ, महिला संचालित उद्यमों तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का भ्रमण करेंगे। इन फील्ड विजिट्स के माध्यम से वे कृषि मूल्य श्रृंखला (Value Chain) के प्रत्येक चरण उत्पादन, संग्रहण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और बाजार से जुड़ाव को निकट से समझ सकेंगे।

कार्यक्रम के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा, जो सतत कृषि एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण के प्रति उनकी सहभागिता और अनुभव का प्रमाण होगा।

कार्यक्रम की झलकियाँ

आईसीएआर-आईआईएसएस केवीके, विदिशा के शिलान्यास समारोह में भरतखंड द्वारा पुनर्योजी कृषि एवं एफपीओ उत्पादों का प्रदर्शन

भरतखंड ने आईसीएआर-आईआईएसएस कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), विदिशा के शिलान्यास समारोह में सक्रिय सहभागिता की। यह एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जिसके अंतर्गत आधुनिक कृषि तकनीकों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), नवाचार सुविधाओं तथा उन्नत कृषि प्रसार सेवाओं से युक्त मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र (Model KVK) की स्थापना की जा रही है।

इस परियोजना का शिलान्यास भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के किसान कल्याण मंत्री श्री ए.एस. कंसाना, विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, डॉ. एम.एल. जाट (सचिव, DARE एवं महानिदेशक, ICAR), डॉ. मनोरंजन मोहंती (निदेशक, ICAR-IISS, भोपाल) तथा डॉ. एस.आर.के. सिंह (निदेशक, ICAR-ATARI, जबलपुर) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।
इस अवसर पर भरतखंड ने पुनर्योजी कृषि नवाचारों, टिकाऊ खेती के समाधानों तथा भरतखंड से जुड़े किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) द्वारा विकसित मूल्य संवर्धित कृषि एवं खाद्य उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी में 500 से अधिक किसानों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, विद्यार्थियों एवं विकास क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भ्रमण किया गया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का भरतखंड प्रदर्शनी स्टॉल का भ्रमण रहा। उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त बनाने, पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा देने तथा एफपीओ द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए बेहतर बाजार अवसर विकसित करने के भरतखंड के प्रयासों की सराहना की।
प्रदर्शनी के दौरान बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भरतखंड टीम के साथ संवाद कर पुनर्योजी कृषि, एफपीओ आधारित उद्यमों तथा सतत कृषि मूल्य श्रृंखलाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर टीम ने अपनी विभिन्न पहलों का परिचय दिया तथा किसानों एवं अन्य हितधारकों के साथ भविष्य के सहयोग के लिए नए संपर्क भी स्थापित किए।

खेत से घर तक: भरतखंड की पुनर्योजी कृषि यात्रा

भरतखंड संपूर्ण पुनर्योजी कृषि मूल्य श्रृंखला के सिद्धांत पर कार्य करता है। इसका वैल्यू एडिशन प्रभाग इस सोच का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहाँ हमारे पुनर्योजी मॉडल फार्म में उगाई गई फसलों को प्रसंस्करण के माध्यम से भारतीय रसोई की पौष्टिक और पारंपरिक खाद्य सामग्री में परिवर्तित किया जाता है।

निको रूज़ेन पुनर्योजी केंद्र में उगाई जाने वाली अवशेष-मुक्त एवं पूर्णतः पुनर्योजी पद्धति से उत्पादित फसलों में देसी चना प्रमुख है। कटाई के बाद इसे भरतखंड की प्रसंस्करण इकाई में लाया जाता है, जहाँ भिगोना, सुखाना, छिलका उतारना तथा पारंपरिक पत्थर की हाथ चक्की पर पीसने जैसी पारंपरिक विधियों से इसे पौष्टिक चना दाल में बदला जाता है। यही चना आगे प्रसंस्करण के बाद बेसन का रूप लेता है और देशभर के घरों तक पहुँचकर अनेक पारंपरिक व्यंजनों का हिस्सा बनता है।

इसी प्रकार हमारे खेतों में उत्पादित मूंग भी मूल्य संवर्धन की एक संपूर्ण यात्रा तय करती है। खेत से निकलकर यह मूंग दाल, धुली मूंग दाल तथा तुरंत तैयार होने वाला मूंग हलवा प्रीमिक्स जैसे उत्पादों में परिवर्तित होती है। इस प्रकार भरतखंड कच्ची कृषि उपज को मूल्यवर्धित, उपयोग के लिए तैयार उत्पादों में बदलकर उपभोक्ताओं तक शुद्धता, पारंपरिक स्वाद और सुविधा का अनूठा संगम पहुँचाता है।

bharatkhand

भरतखंड की जैविक कृषि आदानों (बायो इनपुट्स) की श्रृंखला अब उपलब्ध रसायन-मुक्त खेती अब और भी आसान।

भरतखंड किसानों और गृह उद्यान (किचन एवं होम गार्डन) के शौकीनों के लिए स्थानीय स्तर पर तैयार एवं उपलब्ध कराए गए जैविक कृषि आदानों (Bio Inputs) की संपूर्ण श्रृंखला लेकर आया है। ये उत्पाद मृदा स्वास्थ्य सुधारने, फसल उत्पादकता बढ़ाने तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में सहायक हैं।
चाहे आप एक एकड़ खेत की देखभाल कर रहे हों या अपने घर की बालकनी में लगे पौधों की, भरतखंड के पास सभी के लिए उपयुक्त समाधान उपलब्ध है।

क्रमांक	उत्पाद का नाम	मात्रा	मूल्य	निर्माता
1	वर्मी कम्पोस्ट	2 किग्रा	₹40	प्रतिष्ठा (एफपीओ)
2	सॉइल बूस्टर	5 किग्रा	₹130	प्रतिष्ठा (एफपीओ)
3	बायोचार	1 किग्रा	₹50	प्रतिष्ठा (एफपीओ)
4	बायोचार	2 किग्रा	₹100	प्रतिष्ठा (एफपीओ)
5	जीवामृत	1 लीटर	₹100	निको रूज़ेन सेंटर
6	जीवामृत	5 लीटर	₹350	निको रूज़ेन सेंटर
7	पंच पत्ती अर्क	1 लीटर	₹150	निको रूज़ेन सेंटर
8	वर्मी वॉश	1 लीटर	₹100	निको रूज़ेन सेंटर
9	खाद चाय	1 लीटर	₹100	निको रूज़ेन सेंटर
10	बाहुबली टॉनिक	1 लीटर	₹200	निको रूज़ेन सेंटर
11	सौंफ टॉनिक	1 लीटर	₹150	निको रूज़ेन सेंटर
12	बायो थायो	1 लीटर	₹150	निको रूज़ेन सेंटर

हर जरूरत के लिए: यदि आपका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है, तो वर्मी कम्पोस्ट, सॉयल बूस्टर और बायोचार उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये सभी उत्पाद हमारे प्रतिष्ठा एफपीओ द्वारा तैयार किए जाते हैं।

प्राकृतिक रूप से फसल की वृद्धि और पोषण को बढ़ावा देने के लिए निको रूज़ेन सेंटर द्वारा निर्मित जीवामृत, पंच पत्ती अर्क और वर्मी वॉश किसानों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हैं।

समाधान

यदि आप पौधों की बेहतर वृद्धि, मजबूती और स्वास्थ्य के लिए प्रभावी जैविक टॉनिक चाहते हैं, तो बाहुबली टॉनिक, सौंफ टॉनिक और बायो थायो सरल, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं।

आज ही प्राप्त करें

भरतखंड के सभी जैविक कृषि आदान अब खरीद के लिए उपलब्ध हैं। किसान एवं गृह उद्यान प्रेमी अपने निकटतम भरतखंड आउटलेट या एफपीओ संपर्क केंद्र से संपर्क कर आसानी से ऑर्डर दे सकते हैं।

bharatkhand

सफलता की कहानी

तिल्केश्वर FPO ने बनाया एक आत्मनिर्भर कस्टम हायरिंग सेंटर

हर सीज़न में, तराना क्लस्टर के किसानों को एक ही समस्या का सामना करना पड़ता था: या तो मशीनें खरीदना उनके बजट से बाहर था या प्राइवेट ऑपरेटरों से किराए पर लेना बहुत महंगा पड़ता था, जिससे अक्सर वे बुवाई और कटाई के सही समय से चूक जाते थे। इस समस्या को हल करने के लिए, तिल्केश्वर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने अपना खुद का कस्टम हायरिंग सेंटर (CHC) शुरू किया। यह खेती की मशीनों का एक साझा पूल था जो किफायती दरों पर उपलब्ध था और साथ ही FPO के लिए आय का एक नया, टिकाऊ ज़रिया भी बना।

तीन मशीनें, तीन नतीजे

ट्रैक्टर किराए पर देना CHC की कमाई का सबसे स्थिर ज़रिया बन गया, इसे साल भर किसानों और स्थानीय सर्विस प्रोवाइडर्स को किराए पर दिया जाता था। रू. 25,000 प्रति महीने के हिसाब से, इससे साल भर में रू. 3,00,000 की कमाई हुई, जिससे किसान महंगे प्राइवेट किराए से बच गए और FPO को आय का एक भरोसेमंद ज़रिया मिला।

गेहूं की कटाई के दौरान दो महीने तक एक्स्ट्रा रीपर किराए पर दिया गया, जिससे रू. 20,000 प्रति महीने (कुल रू.40,000) की कमाई हुई और 340 एकड़ ज़मीन पर मशीनों से कटाई की गई। कमाई के अलावा, इसने गेहूं के डंठल (पराली) को जलाने के बजाय उपयोग के लायक चारे में बदल दिया, जिससे वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई, मिट्टी की सेहत में सुधार हुआ और किसानों की पराली जलाने की आदत पूरी तरह से बदल गई।

एग्रीकल्चरल ड्रोन रेंटल, जो सबसे नई सुविधा है, को एक पार्टनर संस्था को सोयाबीन के खेतों में कीटनाशकों के सटीक छिड़काव के लिए रू.10,000 प्रति महीने पर किराए पर दिया जा रहा है। इससे कीटनाशकों की बर्बादी और लागत कम होती है, किसानों का रसायनों से सीधा संपर्क कम होता है और यह युवा किसानों को आधुनिक एग्री-टेक की ओर आकर्षित कर रहा है।

कड़ों पर एक नज़र

CHC सर्विस, कमाई, मुख्य असर

ट्रैक्टर रेंटल, रू.3,00,000 खेती के मशीनीकरण से सालाना टिकाऊ कमाई, एक्स्ट्रा रीपर रेंटल, रू. 40,000, 340 एकड़ में पराली जलाने से रोकते हुए कमाई, एग्रीकल्चरल ड्रोन रेंटल, रू.10,000/महीना (लगातार), सटीक खेती और सुरक्षित फसल सुरक्षा

यह क्यों ज़रूरी है

एक वर्ष से भी कम समय में, तिलकेश्वर FPO के CHC ने दिखाया है कि खेती में मशीनों का इस्तेमाल खुद का खर्च तो निकाल ही सकता है, साथ ही FPO के लिए अच्छी और स्थिर कमाई, किसानों के लिए कम लागत और सुरक्षित तरीके, और उज्जैन के तराना क्षेत्र के लिए पर्यावरण को मापने योग्य फ़ायदे भी दे सकता है। यह एक ऐसा मॉडल है जो मशीनों के साझा कार्य को एक बिज़नेस और जनहित के काम में बदल देता है - एक ऐसा मॉडल जिसे दूसरे FPO में भी अपनाया जा सकता है।

Contacts

Bharatkhand Hub Zonal Offices

Bharatkhand Consortium of Farmers Producer Company Limited. D/67, BDA Colony, Kohefiza, Bhopal, Madhya Pradesh - 462001	Mr. Himanshu Bains +91 9009923816 Ms. Anvesha Singh +91 9406779242
H.N- 619, Near Nalanda School, Chanakyapuri Sehore Madhya Pradesh 466001	Ms. Namrita Bhanweriya +91 9644195248
HIG-17, Gandhi Nagar, Mandsaur Madhya Pradesh- 458001	Mr. Arvind Patidar +91 7566652686
Bharatkhand Hub 48, Ram Nagar, Dewas Madhya Pradesh- 455001	Ms. Purva Wadwekar +91 9171251979
H.No. 30 Krishna Kunj Vihar Colony Rupakhedi Road Tarana, Ujjain, Madhya Pradesh- 456665	Mr. Sandeep Mishra +91 9450707018

bharatkhand.net